

ये अव्यक्त इशारे

अब अपनी पुरानी नेचर व संस्कारों का परिवर्तन करो

28-11-2022

अब पुरानी आदतों से, पुराने संस्कारों से, पुरानी बातों से, पुरानी दुनियां से, पुरानी देह के सम्बन्धियों से वैराग्य चाहिए। इन्हें पीठ कर दो, हर कर्म करते हुए बीच-बीच में निराकार हो साकार में आने का अभ्यास करते रहो तो निरहंकारी और निर्विकारी बन जायेंगे।

Now transform the old nature and old sanskars.

There now has to be disinterest in old habits, old sanskars, situations of the past, the old world and old bodily relationships. Move away from all of those. Whilst performing every action, every now and then, practise becoming incorporeal and then coming into the corporeal, and you will become egoless and viceless.

